निदेशक मंडल का प्रतिवेदन

सेवा में,

सदस्यगण

मिश्र धातु निगम लिमिटेड

प्रिय सदस्यगण,

आपके निदेशकगण कंपनी के 33 वें वार्षिक प्रतिवेदन सहित 31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष के लेखा परीक्षित लेखों और भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की रिपोर्ट को सहर्ष प्रस्तुत कर रहे हैं ।

1.0 निष्पादन की मुज़्य विशेषताएँ :

1.1 वर्ष 2006-07 भी लगातार चौथा महत्वपूर्ण घटनाओं से भरा सफल वर्ष रहा है जिसके दौरान सभी मुज़्य परिचलनात्मक क्षेत्रों में अभूतपूर्व वृद्धि और उत्कृष्टता को हासिल किया गया और इस प्रकार लाभ प्रद वर्षों के क्रम में यह 19 वाँ लाभकारी वर्ष रहा। वर्ष 2006-07 में भारत सरकार के साथ हुए समझौता ज्ञापन में अपनाए गए मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान निष्पादन में कंपनी की उपलज़्धियाँ ''उत्कृष्ट'' रेटिंग की रही हैं।

1.2 वर्ष के दौरान प्राप्त की गई महत्वपूर्ण उपलज़्धियाँ इस प्रकार हैं:

✶ कंपनी की स्थापना से अब तक के सभी व्यापारवर्त कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुए प्रसंगाधीन वर्ष में रु. 192.51 करोड़ की उच्चतम बिक्री व्यापारवर्त हुई। पिछले वर्ष अर्थात् 2005-06 के व्यापारवर्त पर लगभग 25% की वृद्धि है।

✶ मात्र पिछले चार वर्षों में बिक्री व्यापारवर्त को दुगुना करते हुए लगभग 110% की वृद्धि दर को हासिल किया है इससे मिधानि के अंतर्निष्ठ कौशलों और क्षमताओं का परिचय मिलता है।

✶ रु. 500 करोड़ के नये आदेशों की रिकार्ड बुकिंग करते हुए कंपनी संतोषजनक स्थिति पर पहुँच चुकी है जो कि आगामी 2वर्षों के मिधानि के वार्षिक उत्पादन के बराबर है।

✶ गुणवज़ा संबंधी मुद्दों पर ग्राहकों की शिकायतों में कमी लाते हुए ''उत्कृष्टता'' रेटिंग को हासिल किया गया है।

✶ एटीवीपी से वेल्डिंग इलेज़्ट्रोड्स और प्लज़्स की आपूर्ति हेतु सबसे बड़े एकल आदेश को हासिल किया है। इसमें लगभग 5 वर्ष तक आपूर्ति हेतु रु. 156.27 करोड़ की राशि को कवर किया गया है।

✶ कंपनी लंबे समय से चली आ रहे आधुनिकीकरण और प्रोन्नत कार्यक्रम प्रतिष्ठा प्राप्त करने में मुज़्य ग्राहकों से समर्थन हासिल करने में सफल रही है और इस प्रकार उल्लेखनीय उपलज़्धियों को हासिल करते हुए कार्यक्रम के क्रियान्वयन में कंपनी सफलता की सेज पर आगे बढ़ रही है।

✶ वर्ष के दौरान रु. 37.69 करोड़ की राशि को अर्जित करते हुए सकल मार्जिन में तीन वर्षों के दौरान तीन गुणा वृद्धि हासिल की गयी है तथा पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 84% वृद्धि को हासिल किया गया है।

✶ रु. 35.59 करोड़ की राशि को कर अप्रदायगी से पूर्व लाभ हासिल किया है तथा पिछले वर्ष की तुलना में यह वृद्धि लगभग 93% रही है।

✶ रु. 23.19 करोड़ की राशि कर के भुगतान के बाद लाभ हासिल किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 93% अधिक है।

✶ लगातार चौथे वर्ष भी लाभांश का भुगतान जारी रखनेवाली कंपनी है।

✶ कंपनी ने उपक्रम क्षेत्र प्रबंधन के लिए उत्कृष्ट और उल्लेखनीय सेवा-वर्ष 2004-05 के लिए विशेष संस्थागत (टर्न अराउण्ड) श्रेणी में स्कोप पुरस्कार की 'सिल्वर ट्रॉफी' को जीता जिसे माननीय प्रधानमंत्री के कर कमलों से प्रदान किया गया।

✶ कंपनी ने नवोन्मेषण के लिए समूह व्यज़्तिगत पुरस्कार की श्रेणी में वर्ष 2004-05 एवं 2005-06 हेतु उत्कृष्टता के लिए रक्षा मंत्री पुरस्कार प्राप्त किया है।

2.0 उत्पादन और आपूर्तियों की मुज़्य विशेषताएँ :

2.1 कंपनी ने रु. 192.51 (1262 एम टी) करोड़ की बिक्री का व्यापार किया है, जबकि पिछले वर्ष के दौरान यह बिक्री रु. 152.97 करोड (1215 एमटी) रही और इस प्रकार लगभग

25% वृद्धि को पंजीकृत किया है। उत्पादन का मूल्य (ई डी सहित) रु. 223.88 करोड़ रहा जबकि पिछले वर्ष वह रु. 177.60 करोड़ था अत: इस वर्ष लगभग 26% की वृद्धि को हासिल किया गया।

2.2 उत्पादन और आपूर्तियों में कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

✶ कुल आपूर्तियों के एक बड़े भाग को रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र को अर्थात् 75% की आपूर्ति की गई जिसमें लगभग 43% रक्षा क्षेत्र का भाग है जिसका मूल्य रु. 81 करोड़ है तथा लगभग 32% अंतरिक्ष क्षेत्र का भाग है – जिसका मूल्य रु. 61 करोड है।

✶ नाभिकीय अनुप्रयोग अर्थात् फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के वाष्प जनरेटर इकाई के लिए 1 एम ओ 'डिश एंड'' के लिए 9 सी आर1 एम ओ की आपूर्ति और विकास हुए।

✶ सुपर्नि – 80 ए रिंग्ज का देशीय उत्पादन निर्यात के लिए किया गया तथा इसे बी एच ई एल (हरिद्वार) को आपूर्ति की गई।

✶ वी एस एस सी को ''टाइटन-31'' के बड़े आकार वाले रिंग्ज् की आपूर्ति कर देश के प्रतिष्ठित अंतरिक्ष कार्यक्रम का हिस्सा बन गया। इसके अलावा रु. 21 करोड़ की मूल्य वाले 92 रिंग्ज के लिए नए आदेश भी प्राप्त किए।

✶ आयुध निर्माणी (कानपुर) को एम डी एन 59 ट्रेल (प्रेसिपीटेशन हार्डेनिंग स्टेनलेस स्टील) की आपूर्ति तथा वी एस एस सी को कोबाल्ट आधारित सुपर मिश्रधातु ''सुपरको-605'' के रिंग्ज और प्लेट्स की आपूर्ति की।

✶ आंतरिक तकनीकी विशेषज्ञता और अनुसंधान तथा विकास प्रयासों के द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण मिश्रधातु का विकास किया गया वे हैं :

- नौसेना अनुप्रयोग के लिए गैर-चुंबकीय स्टेनलेस स्टील प्लेट्स जिसमें ए1 पाया जाता है, का विकास।
- विमानीय अनुप्रयोग के लिए प्रीमियम गुणवत्ता बेयरिंग स्टील का विकास।
- 13 सी आर – 8 एन आई प्रेसिपीटेशन हार्डेनिंग स्टेनलेस स्टील छड़ो का विकास।
- अंतरिक्ष अनुप्रयोग के लिए टी आई-मिश्रधातु का विकास ।
- टी-90 टैंकों के लिए गन बैरेल फोर्जिंग्ज का विकास।

3.0 वित्तीय मुख्य विशेषताएँ

3.1 कंपनी ने सकल मार्जिन के रूप में रु. 37.69 करोड़ अर्जित किये तथा कर से पूर्व रु. 35.59 करोड़ का लाभ प्राप्त किया, जबकि पिछले वर्ष ये क्रमश: 20.51 करोड़ और रु. 18.42 करोड़ थे। पिछले वर्ष के रु. 12.03 करोड़ की तुलना में वर्तमान में कर की अदायगी के बाद लाभ रु. 23.19 करोड रहा।

3.2 विनियोजनों के लिए उपलब्ध अधिशेष रु. 23.19 करोड़ रहा जबकि पिछले वर्ष यह 12.03 करोड़ था इससे कंपनी अपने अंतरिम लाभांश की घोषणा करने में समर्थ है और लगातार चौथे वर्ष में कुल मिलाकर अनंतिम लाभांश रु. 4.64 करोड़ रहा जबकि पिछले वर्ष यह 2.41 करोड़ रुपए था।

3.3 वर्ष के दौरान प्राधिकृत, जारी, अभिदत्त और प्रदत्त पूंजी अपरिवर्तित रूप में उसी प्रकार से बनी रही।

3.4 आपकी कंपनी ने वर्ष 2006-07 में निर्धारित सभी वित्तीय एवं परिचालनगत लक्ष्यों को प्राप्त किया है। इसकी मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

(लाख में रुपयों में)

विवरण	2006-07	2005-06
बिक्री (प्राप्तियां घटाइए)	**19,251**	15,297
अन्य आय	**1,196**	1,128
उत्पादन का मूल्य (ई डी को छोड़कर)	**21,575**	17,140
मूल्यह्रास	**210**	209
ब्याज	**36**	8
लाभ (कर अदायगी से पूर्व)	**3,559**	1,842
लाभ (कर अदायगी के बाद)	**2,319**	1,203

(लाख में रुपयों में)

सकल ब्लॉक (चालू कार्य पूंजी सहित)	**13,467**	13,291
निवल ब्लॉक	**2566**	2,575
चालू पूँजी	**14,603**	12,826
नियोजित पूंजी	**17,041**	15,381
निवल मालियत	**17,208**	15,429
प्रदत्त पूंजी	**13,734**	13,734

अनुपात (प्रतिशतता)

नियोजित पूंजी पर कर अदायगी से पूर्व लाभ	**20.88**	11.98
बिक्री पर कर अदायगी से पूर्व लाभ	**18.49**	12.04
निवल मूल्य पर कर अदायगी के बाद लाभ	**13.48**	7.80
प्रदत्त पूंजी पर कर अदायगी के बाद लाभ	**16.89**	8.76
नियोजित पूंजी पर बिक्री	**112.97**	99.45
सकल ब्लॉक पर बिक्री	**142.95**	115.09
प्रति व्यक्ति बिक्री (रु. लाख में)	**15.03**	11.60

3.5 आपके निदेशकों ने उपलब्ध अधिशेष को निम्न प्रकार से उपयोग करने का प्रस्ताव किया है :-

विवरण	(लाख में रुपयों में)
लाभांश	**463.75**
लाभांश पर कर	**75.85**
सामान्य रिजर्व	**1,779.05**

4.0 लाभांश और सामान्य रिजर्व को अंतरण

4.1 आपके निदेशकगणों को रु. 137.34 करोड़ रुपयों की प्रदत्त शेयर पूंजी से 4.64 करोड़ रूपयों को 3.377% की दर से लाभांश घोषित करने की सिफारिश करने में हर्ष का अनुभव हो रहा है। जबकि पिछले वर्ष यह 1.751% था। इसके अलावा अधिभार सहित लाभांश कर के रूप में 75.85 लाख की राशि अदा की जाएगी जबकि पिछले वर्ष यह 33.73 लाख रुपये था। लाभांश की दर 13,73,400 ईक्विटी शेयर्स पर रु. 1000 पर रु. 33.77 प्रति ईक्विटी शेयर रहा जबकि पिछले वर्ष यह 17.51 रुपये प्रति ईक्विटी शेयर था।

4.2 आपके निदेशकगणों को यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि रु. 1779.05 लाख की राशि को कंपनी के सामान्य रिजर्व में अंतरित किया गया है और इस प्रकार रु. 3474.21 लाख रिजर्व को संचित किया गया।

5.0 समझौता ज्ञापन के अनुसार कार्य-निष्पादन

5.1 भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट मानदंडों के अनुरूप वर्ष 2006-07 में भारत सरकार के साथ हुए समझौता ज्ञापन के अनुसार मिधानि के कार्य निष्पादन को 'उत्कृष्ट' रेटिंग के रूप में करार दिया गया। कंपनी ने ''उत्कृष्ट'' मानदंड के अंतर्गत 34 पैरामीटरों में से 32 पैरामीटरों में ''उत्कृष्टता'' हासिल की जहां उन्होंने 1.39 अंको को स्कोर किया।

5.2 कंपनी ने वर्ष 2007-08 के दौरान भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस ''उत्कृष्टता'' मानदंड के अंतर्गत रु. 17.44 करोड़ के सकल मार्जिन के साथ रु. 190 करोड़ के वार्षिक बिक्री लक्ष्य को लेकर रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से करार किया गया। कंपनी को विश्वास है कि इसे चालू वित्तीय वर्ष के दौरान हासिल कर लिया जाएगा।

6.0 कंपनी का उन्नयन और आधुनिकीकरण कार्यक्रम

6.1 वर्ष 2006-07 एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लंबे समय से आधुनिकीकरण और ग्रेडीकरण कार्यक्रम को प्रारंभ किया जा सका है। हालांकि कुछ खामियों के बावजूद परियोजना और निर्धारित समयावधि के अंतर्गत बड़ी सराहनीय उपलब्धियों को हासिल किया जा सका तथा समय और लागत को यथा संभव घटाया गया। ये मिधानि के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। यह कार्य रक्षा मंत्रालय के मार्गदर्शन और सक्रिय सहयोग तथा मिधानि के बड़े ग्राहकों जैसे-अंतरिक्ष विभाग, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी आर डी ओ), आयुध निर्माणियां (ओ एफ), हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड इत्यादि के सहयोग से संभव हो सका। सचमुच मिधानि द्वारा उन क्षेत्रों में दी गई सेवाएँ और योगदान प्रशंसनीय हैं तथा इन क्षेत्रों में मिधानि द्वारा किए जा रहे प्रयासों में मूल्याधार को दर्शाता है ।

6.2 उक्त कार्यक्रम में स्थापना हेतु विचार किए गए बड़े उपकरणों की अनुमानित लागत 10 टी वी ए आर फरनेस का मूल्य रु.25.00 करोड़ है। 1500 टी फोर्ज प्रेस के उन्नयन का लागत मूल्य रु. 5.00 करोड़, 6.5 टी, 600 कि.ग्रा वैक्यूम इंडक्शन मेल्टिंग फरनेस (वी आई एम) का लागत मूल्य क्रमशः रु. 30 और 15 करोड़, इलेक्ट्रिक आर्क फरनेस (बी ओ जी) का लागत मूल्य रु. 15 करोड़, मेल्ट शॉप-III और इलेक्ट्रोड कंडिशनिंग शॉप के निर्माण हेतु लागत मूल्य रु. 9 करोड़ है। इसके अलावा विभिन्न सहायक उपकरणों के लिए उसके सहायक संसाधनों से मिधानि द्वारा रु. 31 करोड़ की राशि निधि पोषित की जा रही है तथा रु. 25 करोड़ की राशि एच ए एल द्वारा उनके कार्यक्रमों द्वारा डेडिकेटेड उपयोग के लिए सुविधाएँ देने के लिए निधि पोषण किया गया। कावेरी इंजिन परियोजना के लिए उपकरण

जैसे – प्लाज्मा वेल्डिंग मशीन, वाटर जेट कटिंग मशीन, फोर्ज शॉप एवं एच टी शॉप के लिए री–हीटिंग फरनेस और गुणवज़ा नियंत्रण वाले उपकरणों के लिए डी आर डी ओ ने निधिपोषण किया है।

7.0 उद्यम संसाधन योजना (ई आर पी)

7.1 उपयुज़्त ई आर पी पैकेज के क्रियान्वयन में पिछले वर्ष के दौरान मिधानि द्वारा दर्शाए गए कार्यों की शुरुआत प्रसंगाधीन वर्ष में महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में की गयी। बड़े करारों को अंतिम रूप दिया जा चुका है जैसे – कैज़्पस वाईड नेटवर्किंग प्रदान करने हेतु ई सी आई एल के साथ करार तथा उपयुज़्त ई आर पी पैकेज और क्रियान्वयन वेंडर के चयन में आर एफ पी (प्रस्ताव का अनुमोदन) को अंतिम रूप देने में परामर्शी सेवाओं को प्रदान करने हेतु ए एस सी आई के साथ करार आदि। ई सी आई एल के साथ ठेकों का कार्यनिष्पादन बड़े जोरों पर सुचारु रूप से चल रहा है जबकि कैज़्पस वाइड नेटवर्किंग का कार्य अक्तूबर 2007 तक प्रारंभ हो जाएगा। शेष सभी क्रियाकलाप जैसे – हार्ड वेयर प्रदान करने वाले, सॉज़्टवेयर, अपेक्षित डेटाबेस का सृजन, उपयुज़्त ई आर पी पैकेज का चयन और क्रियान्वयन पार्टनर प्रदान करने वाले बेसिक आई टी आधारभूत संरचना के सृजन की प्रक्रिया संतोषजनक रूप से प्रगति पर है।

7.2 परियोजना के क्रियान्वयन का अनुश्रवण करने हेतु निदेशक (विज़) की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन किया गया है। परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन हेतु समिति ने कई कार्यो को प्रारंभ किया है।

7.3 ई आर पी के द्वारा महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर किए जाने की योजना बनाई गई है जैसे: सामग्री प्रबंधन, विज़ और नियंत्रण विपणन और उत्पादन योजना आदि। इससे कैश ज़्लो के बेहतर प्रबंधन हेतु वास्तविक समय सूचना, माल सूची, त्वरित आदेश पूर्ति, आस्ति प्रबंध जिससे उत्पादकता में सुधार आदि की उपलज़्धता को सुनिश्चित किया जा सका है।

8.0 श्रम उत्पादकता

प्रति कर्मचारी मूल्य सहित प्रत्यक्ष श्रम उत्पादकता रु. 33.60 लाख रही जबकि पिछले वर्ष के दौरान यह उत्पादकता 25.30 लाख रुपये रही। प्रति कर्मचारी के हिसाब से जोड़ा गया मूल्य 10.09 लाख रुपये रहा जबकि पिछले वर्ष यह मूल्य 7.67 लाख रुपए था। वर्ष 2006–07 की क्षमता उपयोगिता 46.24% रही जबकि पिछले वर्ष 2005–06 मे यह 44.52% थी।

9.0 परिचालनगत कार्य कुशलता

✶ उत्पादन के मूल्य में कुल आयात अंश पिछले वर्ष की भांति 30% ही रहा।

✶ उत्पादन प्रक्रिया से 39% सामग्री (1398 एम टी) री–साइकल कर पुन: प्राप्त किया गया जिससे रु. 21 करोड के मूल्य के कच्चे माल की खरीद की जरूरत नहीं पड़ी, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 16.3 करोड़ रुपये थी।

✶ ''रद्दी माल प्रबंधन'' में अपनाए गए नवोन्मेषी नीतियों से कंपनी ने ई–निलामी के द्वारा रु. 6.12 करोड़ के अतिरिज़्त संसाधन को सृजित किया है।

✶ सरकार के साथ हुए समझौता ज्ञापन के अनुसार बिजली और एल पी जी दोनों क्षेत्रो में खपत वर्ष के दौरान ''उत्कृष्टता'' रेटिंग को हासिल किया अर्थात उत्पादन के मूल्य के लिए बिजली की खपत 225 जी /कैल रही और एल पी जी के लिए 323 जी / कैल प्रति करोड़ रुपये रही।

✶ नये उत्पादों का विकास किया गया जैसे – वी एस एस सी के लिए बीटा मिश्रधातु; आई जी सी ए आर के लिए टी आई–टीए–एन बी; वी एस एस सी के लिए एन 35 ब्रेजिंग मिश्रधातु; एन आई–टी आई शेप मेमोरी मिश्रधातु, नौसेना के लिए यु 3 स्टील सी वी आर डी ई के लिए 80 सी, डी पी 40 (एम 50) बेयरिंग स्टील; टी 90 बैरेल।

10.0 विपणन एवं व्यापार विकास

10.1 पिछले सभी कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुए इस वर्ष लगभग रु. 500 करोड के नये आदेशों की बुकिंग की गई तथा वर्ष 2007–08 वर्ष के प्रारंभ में उपचित आदेशों का विस्तार रु. 619 करोड़ तक पहुँच गया। इससे मिधानि संतोषजनक स्थिति में पहुँच गई और कंपनी आगामी दो वर्षों की अवधि के लिए उत्पादन अनुसूचियों की सुसज्जित योजना तैयार करने में सक्षम है।

10.2 यद्यपि कई प्रतिकूल कारकों के जैसे–समुद्रपार के आपूर्तिकर्ताओं के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा होने के कारण बिक्री मूल्यों पर भारी दबाव पड़ने एवं टाइटेनियम, स्पाँज, कोबाल्ट और निकेल आदि कच्ची सामग्री और अन्य निवेशों में अत्यधिक बढ़ौती के बावजूद बुकिंग स्थिति सुखद रही हैं।

10.3 प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों से आदेश बुकिंग प्रोत्साहजनक रहा है। दीर्घावधि गठबंधन एवं व्यापार करार तथा उच्च

मूल्य और मूल्यधार उत्पादों की आपूर्ति के लिए विश्व नेताओं के साथ संयुक्त उत्पादन की प्रक्रिया विचाराधीन है और भावी वर्षों में इसे अंतिम रूप देने की संभावना है तथा आनेवाले वर्षों में इससे हमारे आदेश बुकिंग में सुधार होने की अपेक्षा है।

10.4 बुक किए गए कुल आदेशों में मुज़्य भाग 82% है तथा इसमें रक्षा और अंतरिक्ष का भाग क्रमश: 52% और 30% है। रक्षा क्षेत्र से जो आदेश प्राप्त हुए हैं उनका मूल्य रु. 261 करोड़ है तथा बदले में एम डी एन-172, एस टी ए 59, एस टी ए-60, पी टी-आई एम, पीटी-7 एम, ए बी 2 पी के, 08×18 एच, आई ओ टी फोर्जिंग वेल्डिंग इलेज़्ट्रोड्स इत्यादि की आपूर्ति की जाएगी अंतरिक्ष क्षेत्र से जो आदेश प्राप्त हुए है उनका मूल्य रु. 150 करोड़ है जिसके बदले मैराजिंग स्टील प्लेट्स, रिंग्ज बार्स, वायर्स, टाइटेनियम मिश्रधातु, रिंग्ज़ एवं विभिन्न स्पेशल स्टील की आपूर्ति की जाएगी। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से जो आदेश प्राप्त हुए है उनका मूल्य रु. 20 करोड़ है जिसके बदले सुपर्नि-718, सुपर्नि-693 सुपर्नि-690, एम डी एन-321, एम डी एन-350, एम डी एन-316 एल एन, एम डी एन-316 टी आई एवं विभिन्न अन्य विशेष स्टील्स की आपूर्ति की जाएगी।

10.5 पिछले वर्ष की तुलना में आदेश की बुकिंग में जिन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है वे क्षेत्र हैं - रक्षा, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, बिजली, इलेज़्ट्रॉनिक एवं संचार एवं सामान्य इंजीनियरिंग आदि। वर्ष के दौरान नए ग्राहकों एवं नए बाजारों को विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें से प्रमुख है : अशोक लीलैंड मॉली उत्पाद के लिए, तथा 15 सीडी वी 6 एवं 8 सी डी 12 नॉजेल्स के लिए प्रभाकर उत्पाद और आयुध निर्माणी अंबाजरी के लिए 15 सी डी वी 6 नॉजेल्स आदि।

10.6 बिक्री बढ़ावा और व्यापार विकास क्रियाकलाप के भाग के रूप में मिधानि ने विभिन्न प्रदर्शनियों, सेमिनारों और व्यापार मेलों में भाग लिया। प्रमुख सहभागिता में सज़्मिलित हैं - फरवरी, 2007 के दौरान बैंगलोर में आयोजित एरो इंडिया 2007 शो, नवंबर 2006 के दौरान दिल्ली में आयोजित इंडिया, इंटरनेशनल ट्रेड फेयर 2006; सितंबर, 2006 के दौरान दक्षिण अफ्रीका में आयोजित अफ्रीका एरोस्पेस रक्षा 2006, सितंबर, 2006 के दौरान कोलकज़ा में आयोजित 10 वाँ एकस्पो, सितंबर, 2006 के दौरान नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय ट्रेड फेयर, अप्रैल 2006 के दौरान मलेशिया में रक्षा सेवा एशिया प्रदर्शनी तथा अप्रैल, 2006 के दौरान मास्को में सेंट किशकिन अंतरराष्ट्रीय सज़्मेलन आदि।

10.7 ग्राहकों से आमने-सामने की बातचीत करते हुए तथा भावी आवश्यकताओं का मूल्यांकन करने और उनके साथ व्यापार की भावी संभावनाओं को खोजते हुए ग्राहक की संतुष्टि में सुधार हेतु सितंबर, 2006 के दौरान लगातार तीसरी बार ग्राहक बैठक को आयोजित किया गया जिसमें 36 संगठनों से 86 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

10.8 ग्राहकी निपटान व्यवहार में संकल्पना जैसे - ''ग्राहक पर फोकस'', 'ग्राहकी संतुष्टि', 'मूल्य आधार', 'वैयज़्तिकृत दृष्टिकोण', ज़्वालिटी डेलिवरीज - ऑन - टाईम' आदि पर सज़्यक ध्यान दिया गया जिसे वर्ष 2006-07 की बृहद आदेश पुस्तिका में विस्तार से दर्शाया गया है।

10.9 निर्यात निष्पादन

10.9.1 मिधानि द्वारा किए जा रहे निर्यात में टाईटेनियम मिश्रधातु (टाइटन 31) इंगोट्स के रूप में, स्लैब एंड राउण्डस एवं मॉलिज़्डिनम वायर्स इत्यादि पर बल दिया गया। निवेशपरक कच्ची सामग्री जैसे - टाइटेनियम स्पाँज, मोलिज़्डिनम पाऊडर, छोटे उद्योग उत्पादन सुविधाओं में गंभीर वृद्धि के बावजूद मिधानि द्वारा परंपरागत बाजारों में निर्यात वृद्धि को बढ़ाने के लिए मोलिज़्डिनियम वायर्स और टाइटेनियम उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्यों का प्रस्ताव कर रहा है।

10.9.2 2006-07 विज़ीय वर्ष के दौरान मिधानि ने बड़े प्रतिष्ठित निर्यात आदेशों को हासिल किया जिसका मूल्य रु. 188 लाख है। ये आदेश हमारे नए ग्राहक मेसर्स बाईबस मेटल्स, पौलैण्ड से प्राप्त हुआ है और तदनुसार टी आई-6ए 1-4वी के 6.52 एम टी की आपूर्ति की जानी है जिसमें मिधानि ने पहले ही रु. 78.53 लाख के मूल्य वाले 2.84 एम टी माल की आपूर्ति की है।

10.10 जैव चिकित्सीय रोपक

10.10.1 कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के राष्ट्रीय प्रसंग के अंतर्गत

सामाजिक दायित्व के रूप में वर्ष 2006-07 के दौरान मानसिक आघात का ध्यान रखने के लिए जैव रोपक का उत्पादन, ऑस्टियोसरकोमा केसेस, मैक्सिलोफेयशियल रोपक के उत्पादन को जारी रखा गया। संपूर्ण देशभर में विभिन्न अस्पतालों एवं डीलर नेटवर्क के माध्यम से कई जरूरतमंद लोगों को सेवा प्रदान गयीं। चालू वर्ष के दौरान मिधानि ने रु. 58.70 लाख रुपये की सीमा तक आदेश को निष्पादित किया जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 30% से अधिक बिक्री रही। उसी प्रकार 11 पारंपरिक घुटना कृत्रिम अंग (कस्टम मेड नी प्रोथिसेस) को विभिन्न अस्पतालों को आपूर्ति की गई ताकि औस्टियोसरकोम बीमारी से पीड़ित रोगियों को शरीर के अंगच्छेदन से बचाया जा सके।

10.10.2 व्यापार उन्नयन की दिशा में मिधानि ने आर्थोपेडिक फ्रैटरनिटी द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। ओयासिस - 2006 एवं आर्थोस्कोपिक नी लिगमेंट सर्जरी में वर्तमान प्रवृत्तियों पर राष्ट्रीय सिम्पोजियम तथा जैव रोपक उत्पादों की प्रदर्शनी की गई जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। कंपनी ने आम आदमी के लिए किफायती दामों पर उपलब्ध टाइटेनियम के रोपक बनाने में अपना योगदान दिया है जिसकी भूरि-भूरि प्रशंसा ऑर्थोपेडिक संघ द्वारा की गई।

10.11 फास्टनर्स

10.11.1 मिधानि द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र, नौसेना और डीआरडीओ के लिए एयरोस्पेस गुणवत्ता वाले फास्टनर्स का निर्माण करते हुए संयुक्त उद्यम क्षेत्र में कदम रखा गया। इनमें से कई देशीय है। गैस टर्बाईन और जनरेटर्स में उपयोग हेतु भारतीय नौसेना के लिए फास्टनर्स का विकास; पूर्वी नौसेना कमांड के 30 मदों का बडी मात्रा में उत्पादन एवं आई एन एस एकशिला के लिए 159 मद, इसरो उपग्रह केन्द्रो को टाईटेनियम फास्टनर्स की आपूर्ति, डीआरडीओ के लिए विशेष स्टील फास्टनर्स आदि इस दिशा में कुछ कदम हैं। चालू वर्ष के दौरान बिक्री लगभग रू. 81 लाख आंकी गई जबकि पिछले वर्ष यह राशि रु. 61 लाख थी इस प्रकार 33% की वृद्धि को देखा गया है।

10.12. व्यापार दौरे

10.12.1 देश/समुद्रपार से कई महत्वपूर्ण ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और टेकनोक्राफ़्ट के साथ साथ सरकारी/गैर-सरकारी संगठनों ने मिधानि का दौरा किया तथा मिधानि के साथ व्यापार अवसरों को ढूंढा।

10.12.2 प्रमुख ग्राहकों में निम्न सम्मिलित हैं :

* ✶ फरवरी, 2007 के दौरान प्रो. वलादिस्लव, टेट्युकिन, वी एस एम पी ओ, ए वी आई एस एम ए समूह रूस के नेतृत्व में एक दल ने मिधानि का दौरा किया।
* ✶ फरवरी, 2007 के दौरान श्री ईमैन्युअल कर्म, ग्लोबल सोर्सिंग नेटवर्क, ईएडीएस, फ्रान्स के नेतृत्व में दल ने मिधानि का दौरा किया।
* ✶ नवंबर, 2007 के दौरान श्री लुकाज सोबोटा, प्रबंध निदेशक, बाइबस मेटल्स, पोलैण्ड ने मिधानि का दौरा किया इसके फलस्वरूप मिधानि ने सिंगल निर्यात आदेश को प्राप्त किया जिसका मूल्य 1.88 करोड़ रुपये है और इसके तहत टीआई मिश्रधातु, गोल/प्लैट बार्स की आपूर्ति की जाएगी।
* ✶ अक्तूबर, 06 और मई, 06 के दौरान मेसर्स जी ई एवीएशन एवं जी ई (एयरोस्पेस) यु एस ए ने मिधानि का दौरा किया।
* ✶ अक्तूबर, 06 के दौरान श्री रोबर्ट सिरीमेलो, वरिष्ठ सलाहकार, परमाणु ऊर्जा आयोग के नेतृत्व में अर्जेन्टिना के दल ने दौरा किया जिन्होंने टाइटेनियम सुपर मिश्रधातु, सिमलेस ट्यूब्स के क्षेत्र में व्यापार संभावनाओं की समीक्षा की।
* ✶ नवंबर, 2006 के दौरान मेजर जनरल बी.एस. गोट्रा एवीएसएम, एस एम, वी एस एम, ए डी जी प्रापण/ एम जी ओ, भारतीय सेना ने दौरा किया और सेना की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मिधानि की संभावनाओं की जानकारी हासिल की।

11.0 गुणवत्ता नियंत्रण और विश्वसनीयता

11.1 दिसंबर, 2006 में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आई एस ओ 9001-2000 के पर्यवेक्षण लेखापरीक्षा को आयोजित किया गया। मिधानि में अपनाई जा रही प्रक्रिया और गुणवत्ता व्यवस्था प्रमाणित है और गुणवत्ता मानकों की पुष्टि करते हैं। 9 नवंबर, 2006 को वी एस एस सी से उच्च स्तरीय पदाधिकारियों ने हमारे क्यू एम एस की

अकस्मात लेखापरीक्षा आयोजित जुलाई, 06 को की इस दल ने क्रियान्वयन की स्थिति, जिस पर पूर्व लेखापरीक्षा द्वारा सिफारिशें की गई थीं, का मूल्यांकन किया। इस दल ने मिधानि की उन्नत गुणवज़ा प्रबंध व्यवस्था में किए गए प्रयासों तथा की गई कार्रवाई पर संतुष्टि जतायी।

11.2 डी जी ज़्यू ए द्वारा वर्ष के दौरान मिधानि की स्व-प्रमाणीकरण स्थिति निरंतर बनी हुई है। दिसंबर, 2006 के दौरान डी जी ज़्यू ए के द्वारा स्व-प्रमाणीकरण योजना के अंतगर्त ज़्यू एम एस का द्वितीय लेखा परीक्षा को आयोजित किया गया।

11.3 गुणवज़ा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वर्ष के दौरान आई सी पी स्पेज़्ट्रोमीटर को लागू किया। इसे सुपरकास्ट 247 परियोजना के विज़पोषण के भाग स्वरूप डी आर डी ओ से विज़पोषण किया गया। उल्लेखनीय बात ये है कि गुणवज़ा संबंधी मुद्दों पर ग्राहकी शिकायतों को कम करते हुए कंपनी ने प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान ''उत्कृष्टता'' रेटिंग हासिल कर ली है।

12.0 वैमानिकी सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला

12.1 मिधानि के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत वैमानिकी सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला (ए एम टी एल) द्वारा कावेरी कार्यक्रम के गैस टर्बाइन अनुसंधान स्थापना के लिए एरो इंजिन सामग्री और घटकों का मूल्यांकन और परीक्षण करने हेतु कंपनी सतत समर्थन दे रही है। 2006-07 विज़ीय वर्ष के दौरान कावेरी इंजिन कार्यक्रम के घटकों पर व्यापक रेंज के तापमान पर न्यूनतम और उच्चतम चक्रीय परीक्षण और टेन्साइल परीक्षणों को नियमित रूप से आयोजिन किया।

13.0 मानव संसाधन विकास

13.1 संगठन में ''मानव संसाधन विकास'' के सभी पहलुओ जैसे-आयोजना, योजना, प्रगति, मानव शज़्ति के रखरखाव और उपयोगिता को शीर्ष महत्व दिया गया है। दीर्घावधि विकास को प्राप्त करने के लिए सफल कारकों के रूप में मूल्य आधिज़्य, उत्पादकता के साथ मानव मूल्य, कल्याण, सृजनात्मकता और नवोन्मेषणता की शिनाज़्त की गई है ताकि व्यापार जगत में देशी और विदेशी जिस क्षेत्र में मिधानि परिचालित है, की चुनौतियों का प्रभावी रूप से सामना किया जा सके।

13.2 मानव संसाधन प्रबंध को नीतिपरक रूपांतरण कार्य के रूप में देखा गया है न कि समर्थनकारी प्रकार्य के रूप में। मिधानि द्वारा हमेशा ऐसी आशा जतायी गई कि हमारी कंपनी की सबसे महत्वपूर्ण संपज़ि उसके कर्मचारी हैं और पिछले दस वर्षों के दौरान स्थापित किए गए उनके कौशल तथा संपूर्ण विश्वभर में प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक प्रमुख विभेदक हो सकता है।

13.3 कर्मचारियों के आत्म-विश्वास में प्रेरणा और आत्मबल को बनाए रखने के लिए कई कार्यो, योजनाओं और कार्यक्रमों को तैयार किया गया और इसे बनाए रखने के लिए उपयुज़्त प्रशिक्षण और विकास माड्यूल्स के द्वारा उनकी क्षमताओं, ज्ञान और कौशलों को अद्यतन बनाने हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

13.4 मानव शज़्ति

13.4.1 दिनांक 31.3.2007 को मिधानि की मानव शज़्ति में 905 कार्यपालक, 126 गैर-संघीय पर्यवेक्षक श्रेणी और 250 कार्यपालक थे जबकि दि. 31.3.06 को 985 कार्यपालक, 64 गैर-युनियनीकृत पर्यवेक्षक श्रेणी और 270 कार्यपालक थे। विस्तृत जानकारी निम्न प्रकार है :

	गैर कार्यपालक	गैर-युनियनीकृत पर्यवेक्षी संवर्ग	कार्यपालक	कुल
पुरुष	879	119	239	1237
महिलाएं	26	7	11	44
कुल	**905**	**126**	**250**	**1281**
गत वर्ष	985	64	270	1319

13.5 औद्योगिक संबंध

13.5.1 प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध शांति और सौहार्द्र पूर्ण बने रहे है। पूर्व की भांति ही प्रबंधन को कर्मचारियों से लगातार अधिक समर्थन एवं सहयोग मिल रहा है।

13.5.2 आपसी विश्वास, सहभागी प्रबंध, संगठन के नीतिगत सिद्धान्त की दिशा में अनुपालन स्तर के उन्नयन का वातावरण सृजित करते हुए प्रबंधन द्वारा मानवोन्मुख मानवतावादी संबंधों को चेताया जा रहा हैं और कर्मचारियों के कार्यनिष्पादन में सुधार किया जा रहा है।

13.6 प्रशिक्षण और विकास

13.6.1 2366 मानव दिवसों का उपयोग करते हुए कुल संज़्या में से 545 कर्मचारियों, 330 कार्यपालकों और 215 गैर कार्यपालकों को विभिन्न आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रयोजित विभिन्न बाहरी कार्यक्रमों, सेमिनारों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं में प्रशिक्षण हेतु आवरित किया गया। समझौता ज्ञापन की 23% उत्कृष्ट रेटिंग की तुलना में प्रशिक्षण और विकास विभाग का कार्यनिष्पादन 42.18% हासिल किया गया।

13.6.2 प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान ''औद्योगिक संस्थान परिचर्चा'' पर लगातार सज़्यक ध्यान दिया गया है और लगभग 100 स्नातक और स्नातकोज़र छात्रों ने कंपनी का दौरा किया जो विभिन्न नामी इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय/प्रबंध से आये थे। भारत की संस्थाओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की गई तथा उद्योगों और संस्थाओं के लाभकारी क्षेत्रों में परियोजना कार्य करने हेतु अवसर प्रदान किया जाता है।

13.6.3 मिधानि द्वारा व्यापार, एप्रेन्टिसीज्, सेवानिवृज़, रक्षा सेवा कार्मिक, स्नातक और डिप्लोमा धारकों इत्यादि को विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करते हुए मिधानि प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अंतर्गत सांवैधानिक दायित्वों का वहन करती आ रही है। मई और नवंबर, 2006 के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय ट्रेड परीक्षण का आयोजन किया था जिसमें लगभग 82 एप्रेन्टिसीज् ने भाग लिया।

14.0 अतिविशिष्ट व्यज़्तियों का आगमन

✶ जनवरी, 07 के दौरान माननीय सरकारी आश्वासन समिति, राज्य सभा ने हैदाराबाद का दौरा किया और मिधानि प्रबंध के साथ रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आयुध निर्माण इकाई और पी एस ई को वाणिज्यिक स्वायज़ता पर केलकर समिति की सिफारिशों के सज़्बन्ध में सरकारी आश्वासन पर परिचर्चा की।

✶ मिधानि के कार्यनिष्पादन का पुनरीक्षण करने हेतु अगस्त, 06 के दौरान श्री पी.के. रस्तौगी, संयुज़्त सचिव (रक्षा उत्पादन) रक्षा मंत्रालय ने दौरा किया।

✶ श्री पी. मुखर्जी संयुज़्त सचिव (विज़) अंतरिक्ष विभाग ने मई, 06 के दौरान वी एस एस सी द्वारा निधिपोषित परियोजनाओं के पुनरीक्षण हेतु मिधानि का दौरा किया।

15.0 सांविधिक और सामाजिक बाध्यताएं

15.1 राजकोष में योगदान

15.1.1 वर्ष 2006-07 के दौरान आपकी कंपनी ने शुल्कों, बिक्री कर और आयकर और अधिभार के रूप में रु. 4,405 लाख की राशि का योगदान किया जबकि पिछले वर्ष यह राशि रु. 2671 लाख थी।

16.0 कर्मचारी कल्याण

16.1 कंपनी के लिए लागू संविधि के अंतर्गत निर्दिष्ट सभी कल्याण सुविधाओं को कर्मचारियों को प्रदान किया जा रहा है। गैर सांविधिक कल्याण सुविधायें जैसे - आर्थिक सहायता प्राप्त कैंटीन, परिवहन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, एल टी सी, मकान निर्माण ऋणों पर ज़्याज में आर्थिक सहायता बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा, घर पर निजी कंप्यूटरों की खरीद हेतु रियायती ऋण, इत्यादि को भी कर्मचारियों के लिए प्रदान किया गया ताकि वे संतोषजनक रूप से कार्य करें और संगठन के लिए निर्धारित लक्ष्यों और उच्चतर लक्ष्यों को हासिल करने में बेहतर प्रयास कर सकें और उन्हें प्रेरणा मिल सके। कंपनी की ओर से 'ब्रह्म प्रकाश डी ए वी'' स्कूल चलाया जा रहा है और वर्ष के दौरान यह स्कूल के क्रियाकलाप उत्कृष्ट रहे हैं।

16.2 कर्मचारियों का 360^0 विकास करने की दिशा में तथा

उनके सर्वांगीण बेहज़री में सुधार लाने के लिए कई व्याज़्यानों, कार्यशालाओं, सज़्मेलनों को आयोजित और प्रायोजित किया गया जिसमें विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, स्वास्थ्य और अन्य मानवीय पहलुओं को कवर किया गया।

16.3 कई कल्याण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ज़िसमें मेधावी छात्रों को धनराशि पुरस्कार तथा अनुसूचित जाति, जनजाति और ओ बी सी समुदाय के कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृज़ि प्रदान करना भी सज़्मिलित है। मानव संसाधन के सर्वांगीण विकास के अंग के रूप में कई कर्मचारियों को विभिन्न खेल कार्यक्रमों में प्रायोजित किया गया। आवश्यक सेवाओं से जुडे स्टॉफ के लिए कंपनी द्वारा निर्मित किए गए 87 क्वार्टर्स किराये में आर्थिक सहायता दी गयी।

17.0 कार्पोरेट सामाजिक जिज़्मेदारी

17.1 ''कार्पोरेट नागरिक'' के रूप में अपने दायित्वों को निभाने में मिधानि के समष्टिक उद्देश्यों में ग्राम स्तर पर सामाजिक/समुदाय विकास क्रियाकलापों को प्रारंभ करने की योजना बनाई है। प्रशासनिक मंत्रालय से सक्रिय सलाह और समर्थन लेते हुए समाष्टिक सामाजिक जिज़्मेदारी को कार्यनिष्पादन संकेतकों का रूप मानते हुए वर्ष 2007-08 में सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। सामाजिक/समुदाय विकास के क्षेत्रों में कार्यरत विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों या एजेन्सियों के साथ विस्तार से चर्चा की जिससे भावी वर्षों में उद्देश्यों के क्रियान्वयन की दिशाओं और साधनों को जुटाया जा सके।

18.0 छोटे परिवार की अवधारणा को प्रोत्साहित करना

18.1 सरकार की नीति के अंग के रूप में कर्मचारियों के बीच छोटे परिवार नियोजन को प्रोत्साहित करने के लिए मिधानि सतत प्रयत्नशील है।

19.0 अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़े वर्गों/भूतपूर्व सैनिकों/ तथा शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व

19.1 कंपनी ने वर्ष 2006-07 के दौरान अनुसूचित जाति (एस सी) अनुसूचित जनजाति (एस टी), अन्य पिछड़े वर्ग (ओ बी सी) के कर्मचारियों के विकास के लिए अपने प्रयास जारी रखे हैं। ऐसे कर्मचारियों के प्रतिभाशाली बच्चों को नकद प्रोत्साहन देने की योजनाएं वर्ष के दौरान भी जारी रही। कंपनी में इनके पर्याप्त प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने संबंधी लागू निदेशों का कंपनी द्वारा अनुपालन किया गया है। कंपनी की पंजी में अ. जा, अ. ज. जा. अ. पि. वर्ग, भूतपूर्व सैनिकों तथा शारीरिक रूप से विकलांगों के प्रतिनिधित्व संबंधी विवरण अनुबंध 1 और 2 में दिये गये हैं।

20.0 पर्यावरण प्रबंधन

20.1 कार्पोरेट नागरिक की जिज़्मेदारी के रूप में आपकी कंपनी ने हमेशा पर्यावरणात्मक जिज़्मेदारी के प्रति महत्वपूर्ण ध्यान दिया है। पर्यावरणात्मक संतुलन को बढ़ावा देने और उसका रखरखाव करने के लिए हजारों की संज़्या में वृक्षों को लगाया गया है जिसमें 55 से अधिक पौध प्रजातियाँ उगाई गई हैं, इससे और मिधानि के भीतर और चारों ओर ग्रीन बेल्ट परिसर बना गिया हैं। इन क्रियाकलापों से वायु/जल प्रदूषण को नियंत्रित किया जा एगा है।

21.0 लघु उद्योगों/आनुषंगिक उद्योगों को प्रोत्साहन

21.1 कंपनी का अपना कोई आनुषंगिक उद्योग नहीं है। जहाँ कही संभव हो कंपनी अपने छोटे तकनीकी कार्यों को छोटे क्षेत्र के उद्योगों और सूक्ष्म यूनिटों को सौंपती है। वर्ष 2006-07 के दौरान 114 बाहरी इकाईयों से कराए गए ऐसे कार्यों की कुल कीमत 557 लाख रुपये थी जबकि गत वर्ष 90 इकाईयों के लिए यह राशि रू. 308 लाख थी। उच्च कौशल वाले कार्यों और अंतरिक्ष विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों के सज़्बन्ध में सेवाओं को इन छोटे उद्योग इकाईयों से लिया जा रहा है।

22.0 राजभाषा नीति का क्रियान्वयन

22.1 राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियमावली, 1976 के अनुसरण में आपकी कंपनी ने अपने दैनंदिन कार्यों और उसके प्रचार - प्रसार हेतु प्रयासों को गहन किया है उपरोज़्त संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मिधानि ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित क्रियाकलापों को प्रारंभ किया है:

1) कुल 80 कर्मचारियों को प्रवीण और प्राज्ञ पाठ्यक्रमों की कक्षाओं में प्रशिक्षित किया गया और संबंधित परीक्षाएं उन्होंने सफलतापूर्वक उज़्तीर्ण कीं।

2) मिधानि के कर्मचारियों को अपना दिन–प्रति–दिन का कंपनी कार्य, हिन्दी में करने हेतु चार हिन्दी जागरूकता कार्यशालाओं को आयोजित किया गया जिसमें 130 कर्मचारियों ने भाग लिया (41 कार्यपालक और 89 गैर कार्यपालक)

3) राजभाषा हिन्दी के उपोयग में जागरूकता सृजन करने हेतु ''हिन्दी दिवस'' समारोह को आयोजित किया गया जिसमें तकनीकी वाणिज्यिक वार्षिक हिन्दी गृह पत्रिका ''संकल्प'' के चौथे अंक का विमोचन किया गया और इस अंक को सभी संबंधितों को वितरित करने हेतु प्रयास किए गए।

4) कंपनी ने बडी संज़्या में कंप्यूटरों में द्विभाषी कंप्यूटर सॉज़्टवेयर को प्रतिष्ठापित किया है और उनके प्रभावी उपयोग हेतु सज़्यक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

23.0 महिलाओं का सशक्तिकरण

23.1 महिलाओं की क्षमताओं को महसूस करने के लिए हमारी कंपनी महिला कर्मचारियों के लिए आवश्यक मंच प्रदान कर रही है, जिससे कि वे अपनी ड्यूटी को कर्तव्यपरायणता के साथ निभाने हेतु जिज़्मेदारी ले सकें तथा संगठनात्मक लक्ष्यों को हासिल करने हेतु अपने कार्य और योगदान पर गर्व महसूस कर सकें। महिला कर्मचारियों के कल्याण हेतु लागू सभी संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार मिधानि सभी सुविधाओं को प्रदान कर रही है। मिधानि में 8 मार्च, 2007 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम को आयोजित किया गया। कार्यपालक और गैर–कार्यपालक महिला कर्मचारियों को कंपनी के आंतरिक और बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामित किया जाता है। उन्हें केन्द्रीय कामगार शिक्षा बोर्ड द्वारा वर्कर टीचर के रूप में प्रशिक्षण हेतु प्रायोजित और प्रोत्साहित किया जाता है। दि. 31.3.2007 को महिला कर्मचारियों की संज़्या 44 है।

24.0 सतर्कता

24.1 प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान कंपनी की सतर्कता प्रशासन में सुधार लाने के लिए कारगर उपाय किए गए। ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' मनाया गया, जिसमें ''वार्षिक संपज़्ति विवरणी'' विषय पर एक कार्यशाला, नये पदोन्नत कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई। निवारक सतर्कता सूचनाओं और पद्धतियों में सुधार संबंधी कार्य के अलावा, सी वी सी के कई प्रपत्र/मार्गदर्शी सिद्धान्त समय–समय पर परिचालित किए गए ताकि कार्यात्मक स्तर के प्रबंधकों का हित हो सके। सतर्कता विभाग में प्रशिक्षित किए गए नये अधिकारियों को प्रज़्यात संस्थाओं में उन्नत प्रशिक्षण हेतु प्रतिनियुज़्त किया गया ताकि सतर्कता विषयों में उनके ज्ञान में वृद्धि हो सके। केवल सतर्कता विभाग के लिए एक वेबसाईट बनायी गई है और सभी कर्मचारियों के बीच ई–मेल पता परिचालित किया गया ताकि सतर्कता विभाग को उनकी शिकायतें भेजने में सुविधा हो सके। समय–समय पर सी बी आई के साथ प्रभावी रूप में पत्राचार को बनाए रखा गया है।

25.0 सामान्य प्रकटीकरण से छूट :

25.1 भारत सरकार ने कंपनी को, कंपनी नियम, 1988 (निदेशक मंडल के प्रतिवेदन में विवरणों का प्रकटीकरण) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 के खंड 211 (4) एवं 217 (1) (ई) के प्रावधानों के अनुसार लाभ एवं हानि लेखे में तैयार माल पर मात्रात्मक जानकारी के प्रकटीकरण तथा निदेशकों के प्रतिवेदन में ऊर्जा संरक्षण/ प्रौद्योगिकी अपनाने/ विदेशी मुद्रा अर्जन एवं व्यय इत्यादि से सज़्बद्ध जानकारी के प्रदर्शन के अनुपालन में छूट प्रदान की है।

26.0 विदेश यात्रा

26.1 प्रौद्योगिकी विकास बाजार/व्यापार कंपनी के कारोबार तथा सामग्रियों/उपस्करों के पूर्व निरीक्षण हेतु भी कंपनी निदेशकों और कर्मचारियों द्वारा की गई विदेश यात्राओं पर रु. 12.28 लाख (पिछले वर्ष रु. 28.88 लाख) खर्च हुए।

27.0 आतिथ्य सत्कार पर व्यय

27.1 वर्ष के दौरान अतिथि सत्कार पर रु. 0.28 लाख (पिछले वर्ष रु. 0.36 लाख) की राशि खर्च की गई जो कि बिक्री व्यापारवर्त का 0.001% हैं।

28.0 नैगम शासन

28.1 मिधानि अपने सभी क्रियाकलापों में बेहतर कार्पोरेट शासन, बडे पैमाने पर पारदर्शिता को बनाए रखना, जवाब देहिता और समता कानून में विश्वास रखती है तथा अपने सभी पणधारियों के साथ जैसे–सरकारी कर्मचारी,

ग्राहकों, शेयरधारकों, बैंकर्स, बड़ी सोसाइटी के साथ परामर्श करती है। सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत अपने नियंत्रणाधीन सूचना को भारत के नागरिकों को प्रदान करती है।

28.2 मिधानि के निदेशक मंडल में संबंधित क्रिया करलापों के विशेषज्ञ, अनुभवी विशेषज्ञता वाले निदेशक शामिल हैं। यहां पर कार्यपालक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को मिलाकर तीन पूर्णकालिक निदेशक हैं जो कंपनी के दैनंदिन प्रशासनिक कार्यों का प्रबंध करते हैं। इसके अलावा प्रशासनिक मंत्रालय से दो अशंकालिक सरकारी निदेशक, एक अशंकालिक गैर-सरकारी निदेशक कार्यरत है जो नीति निर्देश को प्रदान करते हैं। सरकारी अनुदेशों की दिशा में चालू विज़ीय वर्ष के दौरान बड़ी संज़्या में स्वतंत्र निदेशकों को सज़्मिलित करने के गहन प्रयास जारी हैं।

28.3 वर्ष के लिए निर्धारित चार बैठकों की तुलना में इस वर्ष के दौरान कुल छह बोर्ड बैठकों को आयोजित किया गया। निदेशकों को पहले ही व्यापक नोट्स और कार्यसूची को भेजा जाता है जिससे वे यथोचित निर्णय ले सकें। बोर्ड की बैठकों में उपस्थिति लगभग 100% होती है। कंपनी से संबंधित सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं को जैसे - परिचलनात्मक कार्य निष्पादन, वार्षिक लेखा, वार्षिक पूंजी एवं राजस्व बजट के साथ-साथ कंपनी की दीर्घावधि कार्पोरेट योजनाएँ, मुद्दे जैसे - विस्थापन व्यवस्था एवं प्रक्रिया आदि की बोर्ड बैठकों में नियमित रूप से चर्चा की जाती है। कंपनी की 32 वीं वार्षिक सामान्य बैठक 27 सितंबर, 2006 को संपन्न हुई जिसमें कंपनी के सदस्यों के साथ सभी निदेशकगण उपस्थित थे।

29.0 लेखा-परीक्षा समिति

29.1 रक्षा मंत्रालय से प्राप्त प्रशासनिक अनुदेशों के अंतर्गत कंपनी की लेखा परीक्षा समिति दिसंबर, 2001 से कार्यरत है। इस संदर्भ में निर्धारित शर्तों के अनुसार सांविधिक लेखा परीक्षकों, सनदी लेखाकारों, के बाह्य फर्मों के प्रतिनिधियों, जिन्हें मिधानि की आंतरिक लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है, के साथ विज़ एवं लेखा से संबंधित विभिन्न मामलों पर विस्तृत विचार-विमर्श के लिए नियमित बैठकें की जाती हैं। स्क्रैप प्रबंधन, माल सूची नियंत्रण, अतिरिज़्त धन का निवेश, उधारी की वसूली, अन्य लागत बचत/लागत कटौती संबंधी उपायों सहित सामग्री लेखा के क्षेत्र में प्रणाली सुधार संबंधी मामलों पर मुज़्य रूप से ध्यान दिया गया है। मिधानि के बोर्ड पर स्वतंत्र निदेशकों को बड़ी संज़्या में सज़्मिलित करने हेतु व्यापक प्रस्ताव को प्रशासनिक मंत्रालय को अग्रप्रेषित किया गया है ताकि, लेखा परीक्षा समिति पर उनके नामांकनों को, लेखापरीक्षा समिति के संघटन को और मजबूत किया जा सके।

30.0 निदेशकगण

30.1 वर्ष 2006-07 के दौरान और इस प्रतिवेदन की तिथि तक मिधानि के निदेशक मंडल के गठन में निम्नलिखित बदलाव किए गए जो इस प्रकार हैं:

1) अध्यक्षीय मंजूरी प्राप्त की गई है :

✶ श्री देवाशीष चौधरी अधिवर्षिता प्राप्त होने के कारण 30.6.2006 को सेवानिवृज़ हुए। उनके स्थान पर श्री एन.एम. नारायण राव को मिधानि का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, नियुज़्त किया गया और आपने 27 जुलाई, 2006 को कार्यभार ग्रहण किया।

✶ श्री के. हरिनारायण को अंशकालिक, गैर सरकारी निदेशक के रूप में नियुज़्ति, प्रदान की गयी जिन्होंने 14 सितंबर, 2006 को कार्यभार ग्रहण किया।

✶ श्री एस.एन. मिश्रा, संयुज़्त सचिव (एच ए एल), रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय को 31 मई 2007 से अशंकालिक सरकारी निदेशक पद पर नियुज़्ति प्रदान की गयी । यह नियुज़्ति श्री रंजन चटर्जी, संयुज़्त सचिव के स्थान पर हुई।

✶ श्री के. रमेश को निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) के रूप में नियुज़्ति प्रदान की गयी। उन्होंने 26 अप्रैल, 2007 से कार्यभार ग्रहण किया।

✶ श्री एस.आर. वेंकट सुब्रमण्यम, निदेशक (उत्पादन और विपणन) की कार्य मुज़्ति। यह 18 अगस्त, 2006 से लागू हुई।

31.0 निदेशकों के उज़रदायित्व संबंधी विवरण

31.1 निदेशकों के उज़रदायित्व के संबंध में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217 (2एए) की शर्तों के अनुसार यह पुष्टि की जाती है कि :

क) 31 मार्च, 2007 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखों को तैयार करते समय सामग्री प्रत्यंतरण, यदि कोई हो तो, के सम्बन्ध में समुचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखाकरण मानकों का अनुपालन किया गया है।

ख) निदेशकगणों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया और उनको सुसंगत ढंग से लागू किया तथा ऐसे निर्णय एवं अनुमान लगाये जो समुचित एवं विवेकपूर्ण थे, ताकि 31 मार्च, 2007 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी के क्रियाकलापों और उसी तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी के लाभ या हानि लेखों की वास्तविक एवं उचित स्थिति दर्शायी जा सके।

ग) निदेशकगणों ने कंपनी की आस्तियों की सुरक्षा के लिए तथा धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने तथा उनका पता लगाने के लिए समय-समय पर तथा संशोधित कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार उपयुक्त लेखाकरण रिकार्डों के अनुरक्षण हेतु उचित एवं पर्याप्त ध्यान दिया है।

घ) निदेशकगणों ने 31 मार्च, 2007 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए ''अद्यतन विषय'' आधार पर लेखों को तैयार किया है।

32.0 लेखा परीक्षकगण एवं लेखापरीक्षकों का प्रतिवेदन

32.1 भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक ने कंपनी के 31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष के लेखों की लेखा परीक्षा हेतु मेसर्स वेणुगोपाल एण्ड चेनॉय, सनदी लेखापाल, हैदराबाद की सांविधिक लेखा परीक्षकगणों के रूप में नियुक्ति को पूर्ववत रखा है।

32.2 लेखापरीक्षकगणों की रिपोर्ट के अनुच्छेद 4 (घ) (i), (ii) और (iii) के संदर्भ में स्वत: स्पष्ट लेखों का अंग बननेवाली अनुसूची-21 की क्रमंश टिप्पणी सं. 21,11,16.2 की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

33.0 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा लेखों का पुनरीक्षण

33.1 31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक द्वारा लेखों पर टिप्पणियाँ एवं पुनरीक्षण इस प्रतिवेदन के साथ क्रमश: अनुबंध-III में संलग्न किया गया है।

34.0 कर्मचारी संबंधी विवरण

34.1 जहां तक कंपनी अधिनियम की धारा 217 (2ए) के अंतर्गत बनाए गए नियमों की शर्तों के अनुसार अपेक्षित जानकारी का संबंध है प्रसंगाधीन वर्ष के दौरान किसी भी कर्मचारी को प्रति माह 2 लाख रुपए या प्रतिवर्ष 24 लाख से अधिक के पारिश्रामिक की प्राप्ति नही हुई हैं।

35.0 धन्यवाद ज्ञापन

35.1 आपके निदेशकगण, भारत सरकार द्वारा सामान्य रूप से तथा रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा विशेष रूप से संबंधित विभागों, केन्द्र सरकार की एजेन्सियों और आन्ध्रप्रदेश राज्य सरकार से कंपनी को प्राप्त समर्थन, सहयोग और मार्गदर्शन के प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं। उसी प्रकार से आपके निदेशकगण ग्राहकों, बैंकरों, लेखा परीक्षकों, व्यापारिक सहयोगियों, परामर्शदाताओं को जिन्होंने वर्ष के दौरान कंपनी को सहयोग और सहायता प्रदान की है, के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

35.2 आपके निदेशकगणों ने कंपनी द्वारा हासिल की गई सफलता का श्रेय सभी स्तरों पर अपने कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को दी है और कंपनी द्वारा वर्ष दर-वर्ष नयी उन्नतियों को छूने वाले कार्यनिष्पादन हेतु प्रत्येक कर्मचारी के प्रति धन्यवाद अर्पित किया है। आपके निदेशकों को विश्वास है कि आने वाले वर्षों में कंपनी देश के लिए ''आत्म-निर्भरता'' प्रदान करेगी तथा राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा अपेक्षित कच्चा माल और तैयार माल दोनों रूपों में महत्वपूर्ण विशेष स्टील और अन्य सामग्री को उपलब्ध कराने में हमारी अर्थ व्यवस्था के नीतिगत क्षेत्र में समर्थन देगी।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

ह0/-

एम. नारायण राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : हैदराबाद
दिनांक : 28/08/2007

अनुबंध-I

31-3-2007 को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडे वर्गो, शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारियों और भूतपूर्व सैनिकों का प्रतिनिधित्व

वेतनमान तथा वर्ग	कर्मचारियों की कुल संख्या	कर्मचारियों की संख्या				
		अनु. जाति	अनु.जन. जाति	अ.पि.व.	शारी. विकलांग	भूतपूर्व सैनिक
वर्ग ''क'' कार्यपालक रू. 8,600-14,600 एवं इससे ऊपर	235	27	7	33	1	-
वर्ग ''ख'' (गैर यूनीयनीकृत पर्यवेक्षी संवर्ग) रु 6550–200–11350 (ग्रेड–1) रू.6,400-180-10,000 (ई.ओं)	15 126	- 10	1 1	7 32	- -	1 2
वर्ग ''ग'' अकार्यपालक रू.3,200-6,235 से रू. 6,100-10,560 तक	831	151	39	346	18	42
वर्ग ''घ'' रू. 2,300-3,600 से रू. 3,000-5,750 तक	74	13	5	27	1	-

अनुबंध - II

वर्ष 2006 के दौरान अ.जा.,अ.ज.जा. की भर्ती					
वेतनमान एवं वर्ग	वर्ष के दौरान कुल भर्ती किये गए	आरक्षित पदों की संख्या		नियुक्त अभ्यर्थियों की संख्या	
		अनु जाति	अनु. जन जाति	अनु. जाति	अनु.जन जाति
वर्ग ''क'' - कार्यपालक रू.8,600-14,600 एवं इससे ऊपर	2	—	1	—	—
वर्ग ''ख'' (गैर यूनीयनीकृत पर्यवेक्षी संवर्ग) रु 6550–200–11350 (ग्रेड–1) रू.6,400-180-10,000 (ई.ओं)	—	—	—	—	—
वर्ग ''ग'' - अकार्यपालक रू. 3,200-6,235 से रू.6,100-10,560 तक	—	—	—	—	—
वर्ग ''घ'' रू.2,300-3,600 से रू.3,000-5,750 तक	—	—	—	—	—